NEWS CLIPPING:26.04.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

FDPbegins on "Skills Re-engineering in Research and Studies"

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : A five-day Faculty Development Program on "Skills Re-engineering in Research and Studies" began today at J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The Program is being organized by the Department of Communication (CMT) and Media Technology in collaboration with the Research and Development Cell of the University. The program was inaugurated by the esteemed presence of Prof. Rajbir Singh, Vice Chancellor of Maharishi Dayanand University, Rohtak as the chief guest and Dr. Tripta Thakur, Director General, NPTI as the guest of honour. The session was presided over by Prof. S.K. Tomar, Vice Chancellor of the University. The program was inaugurated with traditional lamps lightning followed by a welcome note from the Chairperson incharge of the CMT Department, Dr. Pawan Singh Malik who welcomed all the participations and introduced them to the diverse wide range of topics that will a part of this exclusive program. He enlightened the FDP approach towards Skill Development and Holistic Approach in conquering the urging demands of NEP 2020. He extended congratulations remarks to the department faculties for organizing the first-ever Faculty Development Program as a "Testimony to the Education Imparting Commitment". Addressing the program, Prof. Rajbir Singh emphasized the significance of oral communication skills and written communication skills in research and studies. He elaborated on the three vital skills of education, i.e., hard skills, soft skills, and life skills, and their relevance in the current scenario. In his address, Vice Chancellor Prof S.K. Tomar emphasized the purpose of such developmental events as a vertical aspect to identify the works within the same field to develop interaction with their peer groups, and to build strong relationships for a better future. He stated aspects from his years of research in academic discourses, including the rampant rise in research facilities. He stated about the initiatives taken up by the university in recent years. In her remarks, Director General, NPTI, Dr. Tripta Thakur, enlightened the audience about "Panchmahabhuta" to change the way of looking towards life and to reflect the values for a new vision to create a better world. She elaborated on the contemporary trends of the changing global power and the recent shuffle of global powers. She affirmed PM Modi's vision to make India a superpower in the domain of energy sources. Earlier, Director, Research and Development Cell, Prof. Naresh Chauhan presented a statistical overview of the University's commitment to upskilling research facilities in the wide domains of education. He remarked about the patents, grants, and approvals for various upskilling projects under the University's Research and Development Cell. At the end of the session, Dr. Sonia Hooda, Assistant Professor proposed the formal vote of thanks to all the participants, dignitaries, and the audience.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:26.04.2023

AAJ SAMAJ

मौखिक और लिखित संचार के महत्व को समझना होगा: प्रो. राजबीर सिंह

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम मंगलवार शुरू हो गया। कार्यक्रम का आयोजन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीटीआई के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने अनुसंधान और शिक्षा में मौखिक संचार कौशल और लिखित संचार कौशल के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण कौशल अर्थात हार्ड स्किल्स, सॉफ्ट

दीप प्रज्वलित करते प्रो. राजबीर सिंह व व प्रो. एसके तोमर।

स्किल्स और लाइफ स्किल्स और वर्तमान परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से बताया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो एसके तोमर ने संकाय सदस्यों द्वारा परस्पर संवाद एवं भविष्य के लिए शोध एवं शैक्षणिक कार्यों की पहचान के लिए इस तरह के विकासात्मक आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनपीटीआई की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर ने जीवन दर्शन में पंचमहाभूत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते वैश्विक रुझानों पर अवलोकन प्रस्तुत तथा भारत को ऊर्जा क्षेत्र में महाशक्ति बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की भी सराहना की। इससे पहले, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. नीशा चौहान ने अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर एक संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया तथा विभिन्न शोध गतिविधियों, पेटेंट, अनुदान और अनुमोदन से परिचित करवाया। सत्र के अंत में, डॉ. सोनिया हुड्डा, सहायक प्राध्यापक ने सभी प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों को औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन प्रो. अतुल मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

REPCO NEWS

मौखिक और लिखित संचार के महत्व को समझना होगाः प्रो. राजबीर सिंह

फरीदाबाद, 25 अप्रैल (रेपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आज शुरू हो गया। कार्यक्रम का आयोजन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीटीआई के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति से हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसके उपरांत सीएमटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत

किया और उन्हें कार्यक्रम के विविध विषयों से परिचित कराया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कौशल विकास और शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला तथा विभाग द्वारा पहली बार फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करने के लिए संकाय सदस्यों को बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने अनुसंधान और शिक्षा में मौखिक संचार कौशल और लिखित संचार कौशल के महत्व पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण कौशल अर्थात हार्ड स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स और लाइफ स्किल्स और वर्तमान परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से बताया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो एस.के. तोमर ने संकाय सदस्यों द्वारा परस्पर संवाद एवं भविष्य के लिए शोध एवं शैक्षणिक कार्यों की पहचान के लिए इस तरह के विकासात्मक आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को जानना और समझना समय की मांग है। अनुसंधान के क्षेत्र में अपने अनुभवों को साझा करते हुए प्रो. तोमर ने शोध के विभिन्न पहलुओं से परिचित करवाया तथा अनुसंधान एवं शोध सुविधाओं को उन्नत बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही पहलों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनपीटीआई की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर ने जीवन दर्शन में पंचमहाभूत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते वैश्विक रुझानों पर अवलोकन प्रस्तुत तथा भारत को ऊर्जा क्षेत्र में महाशक्ति बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की भी सराहना की।

इससे पहले, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. नरेश चौहान ने अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर एक सांख्यिकीय अवलोकन प्रस्तुत किया तथा विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न शोध गतिविधियों, पेटेंट, अनुदान और अनुमोदन से परिचित करवाया। सत्र के अंत में, डॉ. सोनिया हुड्डा, सहायक प्राध्यापक ने सभी प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों को औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन प्रो. अतुल मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

NAVBHARAT TIMES

सूक्ष्म जीवों पर आधारित पुस्तक का विमोचन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर ने द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ शीर्षक की पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक प्रो. केआर अनेजा व डॉ.विभाग भारद्वाज ने लिखी है। प्रफेसर केआर अनेजा कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं। पुस्तक की सह-लेखिका डॉ.विभा भारद्वाज यूएई में रास अल खैमाह नगर पालिका में पर्यावरण प्रयोगशाला की निदेशक हैं। पुस्तक पाठकों को मानव जीवन में सूक्ष्म जीवों के लाभों के बारे में बताती है। मौके पर डॉ. काकोली दत्त मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

PIONEER

मौखिक-लिखित संचार के महत्व को समझना होगा : प्रो. राजबीर सिंह

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार से पांच दिवसीय फेकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम शुरू हो गया। कार्यक्रम का आयोजन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीटीआई के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति से हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके उपरांत सीएमटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के विविध विषयों से परिचित कराया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कौशल विकास और शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला तथा विभाग द्वारा पहली बार फेकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करने के लिए संकाय सदस्यों को बधाई दी।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

REPCO NEWS

कुलपति प्रो. तोमर ने किया प्रसिद्ध माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. अनेजा की पुस्तक का विमोचन

फरीदाबाद, 25 अप्रैल (रैपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा 'द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ' शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्रो. के. आर. अनेजा तथा डॉ. विभा भारद्वाज, द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

जाने-माने माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. के.आर. अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं तथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समितियों के आजीवन सदस्य हैं। पुस्तक की सह-लेखिका डॉ. विभा भारद्वाज यूएई में रास अल खैमाह नगर पालिका में पर्यावरण प्रयोगशाला की निदेशक हैं। पुस्तक माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं तथा प्रोफेशनल्स के लिए सूचनात्मक दस्तावेज है। इसका उद्देश्य पाठकों को मानव जीवन में सूक्ष्म जीवों के लाभों के बारे में बताना है। प्रो. तोमर ने लेखकों को बधाई दी और पुस्तक के माध्यम पाठकों को सूचनात्मक जानकारी देने की दिशा में उनके कार्यों की सराहना की।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि पुस्तक अकादमिक क्षेत्र में योगदान देगी और दैनिक जीवन में सूाम जीवों के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करेगी।

इस कार्यक्रम में जीव विज्ञान विभाग की अध्यक्षा (प्रभारी) डॉ. काकोली दत्त और विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। बाद में, प्रो. के.आर. अनेजा ने विद्यार्थियों के लिए पुस्तक की विषय-वस्तु पर विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

PUNJAB KESARI

मौखिक और लिखित संचार के महत्व को समझना होगा: प्रो. राजबीर सिंह

- नई शिक्षण तकनीकों को समझाना समय की मांग: प्रो. सुशील कुमार तोमर
- अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम शुरू

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. राजबीर सिंह तथा कुलपति प्रो. एस.के. तोमर। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 25 अप्रैल (पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आज शुरू हो गया। कार्यक्रम का आयोजन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीटीआई के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति से हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके उपरांत सीएमटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के विविध विषयों से परिचित कराया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कौशल विकास और शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला तथा विभाग द्वारा पहली बार फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करने के लिए संकाय सदस्यों को बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने अनुसंधान और शिक्षा में मौखिक संचार कौशल और लिखित संचार कौशल के महत्व पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण कौशल अर्थात हार्ड स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स और लाइफ स्किल्स और वर्तमान परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनपीटीआई की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर ने जीवन दर्शन में पंचमहाभूत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते वैश्विक रुझानों पर अवलोकन प्रस्तुत तथा भारत को ऊर्जा क्षेत्र में महाशक्ति बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की भी सराहना की। इससे पहले, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. नरेश चौहान ने अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर एक सांख्यिकीय अवलोकन प्रस्तुत किया तथा विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न शोध गतिविधियों, पेटेंट, अनुदान और अनुमोदन से परिचित करवाया।

सत्र के अंत में, डॉ. सोनिया हुड्डा, सहायक प्राध्यापक ने सभी प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों को औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन प्रो. अतुल मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

PUNJAB KESARI

कुलपति प्रो. तोमर ने किया प्रसिद्ध माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. अनेजा की पुस्तक का विमोचन

फरीदाबाद, 25 अप्रैल (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्रो. के.आर. अनेजा तथा डॉ. विभा भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

प्रो. के.आर. अनेजा की पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर।

जाने माने माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. के.आर. अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं तथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समितियों के आजीवन सदस्य हैं। पुस्तक की सह.लेखिका डॉ. विभा भारद्वाज यूएई में रास अल खैमाह नगर पालिका में पर्यावरण प्रयोगशाला की निदेशक हैं। पुस्तक माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं तथा प्रोफेशनल्स के लिए सूचनात्मक दस्तावेज है। इसका उद्देश्य पाठकों को मानव जीवन में सूक्ष्म जीवों के लाभों के बारे में बताना है। प्रो. तोमर ने लेखकों को बधाई दी और पुस्तक के माध्यम पाठकों को सूचनात्मक जानकारी देने की दिशा में उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पुस्तक अकादमिक क्षेत्र में योगदान देगी और दैनिक जीवन में सूम जीवों के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करेगी। इस कार्यक्रम में जीव विज्ञान विभाग की अध्यक्षा (प्रभारी) डॉ. काकोली दत्त और विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। बाद में प्रो. के.आर. अनेजा ने विद्यार्थियों के लिए पुस्तक की विषय वस्तु पर विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

AMAR UJALA

पुस्तक का विमोचन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने 'द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ' शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन किया। प्रो. केआर अनेजा तथा डॉ. विभा भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। जाने-माने माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. केआर अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING:26.04.2023

HADOTI ADHIKAR

'द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ' का विमोचन

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा 'द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ' शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्रो. के.आर. अनेजा तथा डॉ. विभा भारद्वाज, द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

जाने-माने माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. के.आर. अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं तथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समितियों के आजीवन सदस्य हैं।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

HADOTI ADHIKAR

नई शिक्षण तकनीकों को समझाना समय की माँग : प्रो. सुशील तोमर

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आज शुरू हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीटीआई के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति से हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। मुख्यअतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने अनुसंधान और शिक्षा में मौखिक संचार कौशल और लिखित संचार कौशल के महत्व पर बल दिया।

कुलपति प्रो एस.के. तोमर ने संकाय सदस्यों द्वारा परस्पर संवाद एवं भविष्य के लिए शोध एवं शैक्षणिक कार्यों की पहचान के लिए इस तरह के विकासात्मक आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को जानना और समझना समय की मांग है।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

HINDUSTAN

कौशल विकास पर कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अनुसंधान एवं शिक्षा में कौशल पुनर्रचना पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विशिष्ट अतिथि एनपीटीआई की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर थीं। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा की गई।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

HINDUSTAN

कुलपति प्रो. तोमर ने पुस्तक का विमोचन किया

फरीदाबाद। जे सी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने 'द मिरेकल्स ऑफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ' शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन किया। प्रो. के आर अनेजा तथा डॉ. विभा भारद्वाज, द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रो. के आर अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

DAINIK JAGRAN

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने द मिरेकल्स आफ माइक्रोब्स इन ह्यूमन लाइफ नामक से एक पुस्तक का विमोचन किया। प्रो. केआर अनेजा तथा डा.विभा भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक को यूएई की कनोज अल मारेफाह पब्लिशिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन ने प्रकाशित की है। प्रो. केआर अनेजा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलाजी विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं। पुस्तक की सह-लेखिका डा.विभा भारद्वाज यूएई में रास अल खैमाह नगर पालिका में पर्यावरण प्रयोगशाला की निदेशक हैं। पुस्तक माइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं तथा प्रोफेशनल्स के लिए सूचनात्मक दस्तावेज है। इसका उद्देश्य पाठकों को मानव जीवन में सूक्ष्म जीवों के लाभों के बारे में बताना है। कुलपति प्रो. एसके तोमर ने लेखकों को बधाई दी और पुस्तक के माध्यम से पाठकों को जानकारी देने की दिशा में कार्यों की सराहना की।

NEWS CLIPPING:26.04.2023

NAVBHARAT TIMES

फैकल्टी डिवेलपमेंट कार्यक्रम शुरू हुआ

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी में रिचार्ज एंड एजुकेशन में मंगलवार को स्किल रिस्ट्रक्चरिंग विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम शुरू हुआ। कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के संचार व मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से किया जा रहा है। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। डॉ. पवन सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम के विषयों से परिचित कराया। प्रो. राजबीर सिंह ने हार्ड स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स और लाइफ स्किल्स और आज के समय में इनकी जरूरत पर चर्चा की। जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि शिक्षकों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को जानना व समझना समय की मांग है। डॉ. तृप्ता ठाकुर ने ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते रुझानों पर चर्चा की। इस मौके पर प्रो. नरेश चौहान, डॉ. सोनिया हुड्डा, प्रो. अतुल मिश्रा आदि मौजूद रहे।